कमिश्नर के आदेश पर अफसरों की कुंडली

आंगनवाड़ी में फर्जी नियुक्ति को बचाने के लिए रद्दी की टोकरी में डाला 7 दिन का अल्टीमेटम

नवभारत न्यूज़

खंडवा। क्या प्रशासनिक तंत्र में मलाई का खेल इतना गहरा हो चुका है कि जिले के जिम्मेदार अधिकारी अब संभाग के सबसे बडे कार्यालय के आदेशों को भी ठेंगा दिखाने लगे हैंड खंडवा जिले के छैगांवमाखन जनपद अंतर्गत ग्राम भैरूखेडा में आंगनवाडी कार्यकर्ता की नियुक्ति का विवाद अब एक बडी प्रशासनिक बगावत और भ्रष्टाचार के गठजोड़ की ओर इशारा कर रहा है।

7 दिन की मियाद, 2 महीने की खामोशी–मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि इंदौर संभाग के संयुक्त आयुक्त (विकास) ने बीते 25 फरवरी 2026 को ही प्रकरण क्रमांक 234/बी–121/2025–26 के तहत खंडवा कलेक्टर को कडा पत्र लिखा था। इस आदेश में साफ निर्देश थे कि संबंधित विभाग 7 दिनों के भीतर मामले के मूल दस्तावेज और अपना मत अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करे। विडंबना देखिए, जिस रिपोर्ट को एक हफ्ते में इंदौर पहुंचना था, उसे स्थानीय अफसर पिछले दो महीनों से दबाए बैठे हैं।

जब फरियादी खुद बन गया डाकिया –सिस्टम की बेशर्मी का आलम यह है कि अपीलकर्ता को न्याय के लिए खुद इंदौर जाकर पत्र की प्रतिलिपि लानी पडी। अपीलकर्ता ने छैगांवमाखन स्थित विभाग के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से जाकर इस पत्र को जमा कराया और उसकी पावती (रिसीविंग) भी ली, ताकि कोई अफसर यह बहाना न बना सके कि उन्हें आदेश प्राप्त नहीं हुआ। इसके बावजूद कार्रवाई का शून्य रहना यह साबित करता है कि विभाग के भीतर बैठे कुछ आस्तीन के सांप इस फर्जीवाडे की फाइल को बंद कमरे में ही दफन करना चाहते हैं।

फर्जीवाड़े की बुनियाद और रसूख का संरक्षण–बता दें कि यह पूरा विवाद राजनंदिनी (पति जयदीप गुर्जर) की नियुक्ति से शुरू हुआ था, जिन्हें ग्रामीणों ने बाहरी बताते हुए रसूख के दम पर पद हथियाने का आरोप लगाया था। जांच के बाद 6 फरवरी 2026 को विभाग ने उन्हें बर्खास्त भी कर दिया था, लेकिन अब उच्च स्तर पर होने वाली जांच में हो रही जानबूझकर देरी यह सवाल खडे करती है कि–

–क्या स्थानीय अधिकारियों और फर्जी नियुक्ति के मास्टरमाइंड के बीच कोई गुप्त समझौता हो चुका हैड

–क्या जानबूझकर दस्तावेजों को छुपाया जा रहा है ताकि अपील के दौरान आरोपी को फायदा मिल सकेड

– क्या खंडवा का महिला एवं बाल विकास विभाग खुद को कमिश्नर के आदेशों से ऊपर समझता हैड

प्रशासनिक अनुशासनहीनता की पराकाष्ठा–संयुक्त आयुक्त के आदेश की अवहेलना सीधे तौर पर कंडक्ट रूल्स% का उल्लंघन है। सूत्रों की मानें तो इस देरी के पीछे विभाग के कुछ ऐसे चेहरे हैं जिनकी गर्दन इस जांच के पूरे होते ही फंस सकती है। ग्रामीण अब इस मामले में आर–पार की लडाई के मूड में हैं और जल्द ही इस प्रशासनिक सुस्ती की शिकायत सीधे शासन स्तर पर करने की तैयारी कर रहे हैं।

3 घंटे में कागजों में बना दिया आंगनवाड़ी भवन

अगले दिन 18 बिलों से निकाले 3 .88 लाख रुपए

अमित राठौर

हरसूद। जनपद पंचायत हरसूद में की ग्राम पंचायत मालूद में आंगनवाड़ी भवन निर्माण के नाम पर फर्जीवाड़ा सामने आया है। जिस भवन को तैयार होने में महीनों लगते हैं, उसे पंचायत के जिम्मेदारों ने सरकारी पोर्टल पर महज 3 घंटे में पूर्ण दिखा दिया। रिकॉर्ड के अनुसार दोपहर 1 बजकर 24 मिनट पर निर्माण कार्य शुरू हुआ और शाम 4 बजकर 18 मिनट पर कार्य पूर्ण होने की फोटो तक अपलोड कर दी गई।

जिम्मेदारों की यह जादूगरी पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। पूरा मामला आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 2 (TS नंबर 290) से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार 18 जुलाई 2025 को केवल कॉलम की खुदाई शुरू हुई थी, जिसके बाद लंबे समय तक काम बंद पड़ा रहा। फिर अचानक 27 फरवरी 2026 को ले–आउट दिखाया गया और अगले ही दिन 18 अलग–अलग बिलों के जरिए 3 लाख 88 हजार रुपए से अधिक की राशि निकाल ली गई।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मौके की तस्वीरें और स्थानीय लोगों के अनुसार निर्माण स्थल पर नींव तक पूरी तरह तैयार नहीं थी, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में भवन को लगभग पूर्ण दर्शा दिया गया। ऐसे में सरपंच, सचिव, उपयंत्री और संबंधित अधिकारियों की

भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर लगातार कागजी खेल खेला जा रहा है।

इससे पहले भी मालूद पंचायत में 10 लाख रुपए के सामुदायिक भवन निर्माण में फर्जी बिलों और संदिग्ध भुगतानों का मामला सामने आ चुका है। उस मामले में रिकॉर्ड में लगभग पूरी राशि खर्च दर्शा दी गई थी, जबकि वर्षों बाद भी कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र जारी नहीं हो सका। अब आंगनवाड़ी भवन के इस नए मामले ने पंचायत तंत्र की कार्यप्रणाली पर और सवाल खड़े कर दिए हैं।

लोगों का कहना है कि यदि 3 घंटे में भवन तैयार होने का दावा किया जा रहा है तो इसकी तकनीकी और प्रशासनिक जांच होना जरूरी है। ग्रामीणों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

लंबे इंतजार के बाद राठौर समाज को मिली नई कार्यकारिणी

नवभारत न्यूज़

खंडवा। लंबे समय से प्रतीक्षित और न्यायिक प्रक्रिया के हस्तक्षेप के बाद आखिरकार राठौर समाज की नई कार्यकारिणी का गठन संपन्न हो गया है। स्थानीय खंडकपुरा स्थित धर्मशाला में रविवार को आयोजित राठौर सकल पंच ट्रस्ट की इस महत्वपूर्ण बैठक में समाज के विजयी सदस्यों और प्रबुद्ध जनों ने शिरकत की। न्यायालय के निर्देशों के पालन में पूरी शुचिता और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के साथ आयोजित हुई इस बैठक में समाज के सर्वांगीण विकास और भविष्य की रूपरेखा पर गहन मंथन किया गया।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से समाज के कुशल संचालन हेतु आगामी तीन वर्षों के लिए नई कार्यकारिणी का चयन किया गया, जिसमें श्री दीपक राठौर को अध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारिणी के विस्तार में श्री महेश कुमार राठौर को सचिव और श्री दीपेन्द्र राठौर को

कोषाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित किया गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रस्ताव क्रमांक 02 के अनुसार समाज के वरिष्ठ सदस्यों की देखरेख में सभी संवैधानिक औपचारिकताओं को विधिवत पूर्ण किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित विजयी सदस्यों और समाजसेवियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया। उपस्थित वक्ताओं ने उम्मीद जताई कि न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद अस्तित्व में आई यह नई टीम समाज के आंतरिक विवादों को सुलझाकर पारदर्शिता और समर्पण के साथ कार्य करेगी। बैठक में मुख्य रूप से मनोहर लाल राठौर, रमेश चंद, सुरेश कुमार, , सुभाष, प्रमोद, अशोक, संदीप, राहुल, अमित और विजय राठौर महेश राठौर विशाल राठौर शैलेंद्र राठौर चिंटू राठौर विमल राठौर सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने सामूहिक रूप से समाज की एकता और उन्नति के लिए समर्पित रहने का संकल्प लिया।

जनगणना कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगणकों का सम्मान

नवभारत न्यूज़

खंडवा। भारत की जनगणना–2027 के प्रथम चरण के तहत जिले में 1 मई से 31 मई तक मकान सूचीकरण का कार्य जारी है। इसी क्रम में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगणकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कलेक्टर–प्रमुख जनगणना अधिकारी ऋषव गुप्ता ने नगरीय क्षेत्र खंडवा के उन प्रगणकों को सम्मानित किया, जिन्होंने मकान सूचीकरण ब्लॉक का प्रथम चरण निर्धारित समय सीमा से पहले पूरा किया। सम्मानित होने वालों में सीमा बाथो, कामिनी वर्मा, मंजू पर्वते, श्वेता महोदय, अमिता दशोरे और राजेंद्र पाटिल शामिल रहे। इस अवसर पर डॉ नागार्जुन बी गौडा, सृष्टि देशमुख गौडा, पंकज वर्मा, शिल्पा चौहान, केआर बडोले और अरविंद चौहान सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

स्वैच्छिक संगठनों की जिला स्तरीय बैठक14 को

खण्डवा । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद स्वैच्छिक संगठन अर्थात एनजीओ के मामले में नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है। वन, पर्यावरण, जल, ऊर्जा, जैविक कृषि, प्राकृतिक कृषि, नशा मुक्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाबलंबन, महिला सशक्तिकरण, स्वदेशी, सामाजिक समरसता जैसे कार्यों में स्वैच्छिक संगठनों का समय समय पर सहयोग लिया जाता है। स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधियों की जिला स्तरीय बैठक कलेक्टर ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में 14 मई को आयोजित की गई है। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री जगदीश पटेल ने बताया कि यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागृह खंडवा में दोपहर 1 बजे से आयोजित की गई है।

प्रभारी मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी करेंगे विकास कार्यों की समीक्षा

खंडवा। प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी 12 मई को खंडवा दौरे पर रहेंगे। वे जिले में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक लेने के साथ महारानी लक्ष्मीबाई हायर सेकेंड्री स्कूल में खेल परिसर उन्नयन कार्य का भूमिपूजन करेंगे।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री लोधी 12 मई को सुबह 10.30 बजे सर्किट हाउस में जिला कोर कमेटी की बैठक में शामिल होंगे। पश्चात महारानी लक्ष्मीबाई हायर सेकेंड्री स्कूल पहुंचकर खेल परिसर उन्नयन कार्य का भूमिपूजन कर छात्राओं से संवाद भी करेंगे। दोपहर में जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे।

शहर के विभिन्न वार्डों में लगेंगे रक्तदान शिविर

खंडवा। रक्तदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिले में लगातार रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर ऋषव गुप्ता के निर्देश पर मई माह में शहर के विभिन्न वार्डों में रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ओपी जुगतावत ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित इन शिविरों का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए पर्याप्त रक्त उपलब्ध कराना और लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 12 मई को रामगंज वार्ड, 13 मई को हाटकेश्वर वार्ड, 15 मई को भवानी माता वार्ड तथा 16 मई को संजय नगर वार्ड में रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करने की अपील की है।

प्रधानमंत्री मोदी के बड़े भाई ओंकारेश्वर आए

ओंकारेश्वर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़े भाई प्रहलाद मोदी ओंकारेश्वर आए। यहां उन्होंने भगवान श्री ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन एवं विधिवत पूजन–अर्चन किया। मंदिर ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी राव पुष्पेंद्र सिंह द्वारा उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। विद्वान पुरोहितों के सानिध्य में उन्होंने गर्भगृह में भगवान ज्योतिर्लिंग का अभिषेक कर राष्ट्र की सुख–समृद्धि एवं जनकल्याण की मंगल कामना की। दर्शन उपरांत मंदिर ट्रस्ट की ओर से उन्हें प्रसाद एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

जिला कोर्ट परिसर में पक्षियों के लिए लगाए सकोरे

नवभारत न्यूज़

खंडवा। भीषण गर्मी में पक्षियों को पेयजल उपलब्ध कराने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से जिला न्यायालय परिसर में पक्षियों के लिए सकोरे लगाए गए। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीवास्तव ने कहा कि गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था करना सामाजिक और मानवीय दायित्व है। इस प्रकार की छोटी पहलें समाज में जीव–जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण की भावना को मजबूत करती हैं।

कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश उत्सव चतुर्वेदी, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय योगराज उपाध्याय, जिला न्यायाधीश अनिल चौधरी, आशीष प्रताप सिंह, अरविंद सिंह टेकाम, वीरेन्द्र जोशी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ठाकुर प्रसाद मालवीय, जिला रजिस्ट्रार अरविंद सिंह एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पियूष भावे सहित अन्य न्यायाधीश, पैरा लीगल वॉलिंटियर्स और न्यायालय कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में यादव स्पोर्ट्स के समन्वय से नेहा यादव, अनीता यादव एवं जूडो–कराटे के विद्यार्थियों की विशेष सहभागिता रही।

छैगांव माखन में गैस सिलेंडर ब्लास्ट, पिकअप पर बनी अंडे की दुकान में लगी आग

नवभारत न्यूज़

छैगांव माखन। क्षेत्र के श्रीराम चौक पर सोमवार शाम एक बड़ा हादसा होते–होते टल गया। पिकअप वाहन पर संचालित अंडे की दुकान में गैस सिलेंडर फटने से जोरदार धमाका हो गया, जिससे दुकान के खरपच्चे और टीन के टुकड़े दूर तक जा गिरे। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार शाम करीब 6 बजे दुकान संचालक महेन्द्र परमार अपनी दुकान पर काम कर रहे थे। इसी दौरान गैस पाइप से लीकेज होने के कारण अचानक दुकान में आग लग गई। आग लगते ही महेन्द्र परमार तत्काल दुकान से बाहर निकल आए। कुछ ही क्षण बाद गैस सिलेंडर में तेज धमाके के साथ ब्लास्ट हो गया।धमाका इतना तेज था कि आसपास के क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। विस्फोट के बाद दुकान में लगे एंगल और टीन के टुकड़े करीब 10 फीट दूर जाकर गिरे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि उस समय वहां से कोई राहगीर गुजर रहा होता तो बड़ा हादसा हो सकता था।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर आग पर काबू पाया। हादसे के बाद क्षेत्र में कुछ समय तक दहशत का माहौल बना रहा।

एक नजर | कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों की ली क्लास, जमकर लगाई फटकार

लापरवाही पर डाइट प्राचार्य को नोटिस, एसडीएम अब गांवों में करेंगे नाइट हॉल्ट

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले की प्रशासनिक व्यवस्था को पटरी पर लाने और जनहित के कार्यों में गति देने के लिए कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों की जमकर क्लास ली। बैठक में कलेक्टर ने दो टूक शब्दों में कहा कि अधिकारी केवल दफ्तरों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीन पर उतरकर जनता की समस्याओं का समाधान करें।

गेहूं केंद्रों पर निरीक्षण का पहरा, किसानों की सुविधाओं से समझौता नहीं–उपार्जन केंद्रों पर किसानों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर ने सभी एसडीएम को प्रतिदिन निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि उपार्जन केंद्रों पर पेयजल, छांव और पर्याप्त तौल कांटों जैसी मूलभूत सुविधाओं में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। किसानों को एक भी दिन परेशान होना पडा, तो संबंधित क्षेत्र के अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

डाइट प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस–

सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कलेक्टर गुप्ता ने सख्त रुख अपनाया है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र (डाइट) के प्राचार्य द्वारा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में बरती गई कोताही पर कलेक्टर ने तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अन्य विभागों को भी हिदायत दी कि जन शिकायतों के

मामले में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अफसर अब गांवों में गुजारेंगे रात, जल संरक्षण के लिएडेडलाइन तय–

प्रशासन को जनता के द्वार तक ले जाने के लिए कलेक्टर ने एक बडा निर्णय लिया है। अब एसडीएम और जनपद सीईओ को समय–समय पर गांवों में रात्रि विश्राम करना होगा, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर ही समझा और सुलझाया जा सके। इसके साथ ही वर्षा ऋतु से पहले जल संरक्षण और भूजल संवर्धन के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सिंहस्थ 2028–ओंकारेश्वर में क्वालिटी से समझौता नहीं –

आगामी सिंहस्थ को लेकर कलेक्टर ने अभी से कमर कस ली है। ओंकारेश्वर में चल रहे कार्यों को समय सीमा और गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही, नर्मदा नदी में नावों के संचालन को लेकर सुरक्षा ऑडिट के निर्देश देते हुए कहा कि बिना सेफ्टी जैकेट के यात्रियों को बैठाना और नावों की अनियंत्रित गति पर सख्ती से रोक लगाई जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नागार्जुन बी गौडा और अपर कलेक्टर सृष्टि देशमुख गौडा सहित जिले के तमाम आला अधिकारी मौजूद थे।